www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 263 | जौनपुर गुरुवार, 14 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

ईरान युद्ध पर आरबीआई गवर्नर की चेतावनी, लंबे तनाव से महंगा हो सकता है ईंधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि अगर पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष लंबा चलता है, तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों के चलते भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी भारत की महंगाई नियंत्रण नीति के लिए चुनौती बन रही है, जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक को नीतिगत कदम उठाने पड़ सकते हैं। आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति बैठक 5 जून को होने वाली है, जिसमें ब्याज दरों पर फैसला लिया जाएगा। फिलहाल आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गवर्नर ने संकेत दिया कि अगर पश्चिम एशिया संकट जारी रहता है, तो खुदरा ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी शसिर्फ समय की बातश हो सकती है। इससे परिवहन लागत और महंगाई दोनों बढ़ने की आशंका है। अप्रैल 2026 की बैठक में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया था और तटस्थ रुख बनाए रखा था। यह फैसला घरेलू आर्थिक विकास और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच महंगाई पर नजर बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा था।

एयर इंडिया ने जून से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मध्य पूर्व संकट के कारण जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयर इंडिया ने जून की शुरुआत से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित करने का फैसला किया है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि दिल्ली से जिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कमी की गई है उनमें शिकागो और नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई जैसे प्रमुख गंतव्य शामिल हैं। इसके अलावा, एयर इंडिया ने सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो जैसे गंतव्यों के लिए भी उड़ानें कम कर दी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुल मिलाकर एयरलाइन ने प्रतिदिन करीब 100 उड़ानों को कम कर दिया है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने पिछले सप्ताह कहा था कि भू–राजनीतिक तनाव के बीच ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में कटौती जारी रखेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बढ़ते वित्तीय दबाव और परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करते हुए, एयर इंडिया ने अपने आंतरिक अनुपालन और लागत नियंत्रण उपायों को और कड़ा कर दिया है। एयरलाइन ने पिछले तीन वर्षों में नैतिक कदाचार और नीतिगत उल्लंघनों के लिए 1,000 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त किया है।

पोखरण परमाणु परीक्षण भारत की अटल इच्छाशक्ति का प्रतीक - पीएम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 1998 में इसी दिन भारत ने जो परमाणु परीक्षण किए थे, उनसे दुनिया को पता चला कि हमारे देश की इच्छाशक्ति कितनी अटल है! 11 मई के टेस्ट के बाद पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था, लेकिन हमने दिखाया कि कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर अपने संदेश में पीएम मोदी ने एक संस्कृत लोक भी साझा किया, स्थिता " इसका अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि शक्ति और सामर्थ्य एक–दूसरे के पूरक होते हैं। केवल क्षमता होना पर्याप्त नहीं, उसे कार्यरूप देने वाली शक्ति भी आवश्यक हैय और शक्ति भी तभी सार्थक होती है जब उसके पीछे समर्थ आधार हो। जैसे शिव और शक्ति का अस्तित्व परस्पर अविभाज्य माना गया है, वैसे ही सामर्थ्य और ऊर्जा के समन्वय से ही सृजन, प्रगति और सफलता संभव होती है। गौरतलब है कि 13 मई 1998 का दिन भारत के इतिहास में बहुत अहम माना जाता है। इस दिन राजस्थान के पोखरण में 'ऑपरेशन शक्ति' के तहत भारत ने दो और सफल परमाणु परीक्षण किए, जिन्हें नाम दिया गया। ये परीक्षण 11 मई 1998 को हुए पहले तीन परीक्षणों की शृंखला का ही आगे का हिस्सा थे। इन परीक्षणों का उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को और मजबूत करना था। यह भी बताया गया कि ये सभी परीक्षण भूमिगत तरीके से किए गए और पूरी तरह नियंत्रित थे, जिससे किसी तरह की रेडियोएक्टिविटी बाहर नहीं फैली। इन परीक्षणों से मिले आंकड़ों का इस्तेमाल कंप्यूटर सिमुलेशन और भविष्य की परमाणु तकनीक को बेहतर बनाने में किया गया। इस पूरे अभियान का नेतृत्व तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने किया था। इन सफल परीक्षणों के बाद भारत को दुनिया में एक परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में पहचान मिली।

बिहार के विकास में सुशील मोदी का योगदान हमेशा याद किया जाएगा – सम्राट चौधरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। सीएम सम्राट चौधरी के अलावा बिहार से एनडीए नेताओं ने सुशील मोदी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम सम्राट चौधरी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पद्मभूषण से सम्मानित सुशील कुमार मोदी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। सार्वजनिक जीवन में उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व, संगठन के प्रति समर्पण एवं बिहार के विकास हेतु किए गए योगदान सदैव स्मरणीय रहेंगे। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि बिहार की राजनीति में सादगी, शालीनता और जनसेवा की आदर्श पहचान स्थापित करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री

सुशील कुमार मोदी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि एवं शत–शत नमन। सार्वजनिक जीवन में उनकी पारदर्शिता, संगठन के प्रति समर्पण और बिहार के विकास हेतु किए गए योगदान को सदैव आदर और सम्मान के साथ स्मरण किया जाएगा। उनका प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं जनसेवा का भाव आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव मार्गदर्शक बना रहेगा। मंत्री विजय सिन्हा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि पद्म भूषण से सम्मानित बिहार के भूतपूर्व उपमुख्यमंत्री, प्रखर राजनेता एवं जनसेवा को समर्पित सुशील कुमार मोदी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत–शत नमन। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, दूरदर्शी नेतृत्व एवं बिहार के विकास हेतु किया गया ।

एन. रंगासामी ने पांचवीं बार संभाली पुडुचेरी की कमान, नमशिवायम और कृष्ण राव बने मंत्री

पुडुचेरी, (एजेंसी)। अनुभवी नेता और एआईएनआरसी के संस्थापक एन. रंगासामी ने बुधवार को पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ एआईएनआरसी के मल्लाडी कृष्णा राव और भाजपा के ए. नमशिवायम ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने राजनिवास में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सभी नेताओं को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। एन. रंगास्वामी चार

बार (2001–2006, 2006–2008, 2011–2016 और 2021 से अब तक) पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और वरिष्ठ नेता बीएल संतोष भी मौजूद रहे। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने जीत दर्ज कर सत्ता बरकरार रखी थी। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने कहा, "मुझे इस बात से बेहद खुशी हो रही है कि मैंने पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के तौर पर पदभार संभाला है। हम लोगों की भलाई और राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। मेरी सरकार हर उस कदम को लागू करेगी, चाहे वह किसी खास काम में तेजी लाना हो या नई योजनाएं शुरू करना, जिससे राज्य के विकास में मदद मिले। बाकी मंत्री भी जल्द ही अपने पद की शपथ लेंगे।" बता दें कि पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 में एनडीए गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 सीटें हासिल की हैं।

एम्स नई दिल्ली अब वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के 51वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एम्स अब केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुसरण नहीं कर रहा, बल्कि स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि एम्स चिकित्सा नवाचार और स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जो आम लोगों को सस्ती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि महामारी प्रबंधन से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में "एम्स ब्रांड" भरोसे और सत्यनिष्ठा का प्रतीक बन गया है। सी.पी. राधाकृष्णन ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, एम्स के निदेशक और संकाय सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान शैक्षणिक गुणवत्ता से समझौता किए बिना बड़ी संख्या में मरीजों का कुशल प्रबंधन कर रहा है। उन्होंने कहा कि एम्स दशकों से ऐसे विशेषज्ञ तैयार कर रहा है, जिनमें चिकित्सा उत्कृष्टता के साथ नैतिकता और सहानुभूति की भावना भी मजबूत है। उन्होंने यह भी कहा कि एम्स के पूर्व छात्र दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभा रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बढ़ती भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि एआई आधारित तकनीकें चिकित्सा क्षेत्र में बड़े बदलाव ला रही हैं, लेकिन कोई भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक मरीज के बिस्तर के पास डॉक्टर की मौजूदगी का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की सहानुभूति, नैतिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाएं स्वास्थ्य सेवा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने उत्तीर्ण डॉक्टरों से अपने पेशे में सत्यनिष्ठा, करुणा और मानवता बनाए रखने का आह्वान किया। सी.पी. राधाकृष्णन ने इस वर्ष अंटार्कटिका में दूरस्थ रोबोटिक अल्ट्रासाउंड आयोजित करने की एम्स की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे साबित हुआ है ।

पीएम मोदी की अपील पर सीएम भजन लाल शर्मा ने काफिले में वाहनों की संख्या सीमित करने का दिया निर्देश

जयपुर, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से ईंधन की खपत कम करने की अपील के बाद अब राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बड़ा फैसला लिया है। राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा ने काफिले में वाहनों की संख्या सीमित करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने काफिले में वाहनों की संख्या न्यूनतम रखने का निर्देश दिया है। साथ ही सीएम ने सुरक्षा के नाम पर अनावश्यक वाहनों का उपयोग न करने को कहा है। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य के समस्त अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी अपने वाहनों में मितव्ययता बरतें। काफिले में कम से कम वाहनों का इस्तेमाल करें। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ईंधन बचत पर जोर देते हुए पेट्रोल–डीजल की बचत के लिए अनावश्यक वाहन प्रयोग न करने की अपील की।मुख्यमंत्री भजन लाल

शर्मा ने मुख्य सचिव सहित सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के लिए यह निर्देश जारी किया है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री के आह्वान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने प्रदेशवासियों से कहा कि ईंधन की खपत कम करें और अनावश्यक सोने की खरीद न करें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को प्रदेश में व्यावहारिक रूप से अपनाए जाने की अपील की।सीएम योगी ने मुख्य सचिव, डीजीपी, सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवध्प्रमुख सचिव की बैठक में निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री व मंत्रियों आदि की फ्लीट में तत्काल 50 प्रतिशत की कमी की जाए। काफिले से अनावश्यक वाहनों को हटाया जाए। उन्होंने प्रदेश में वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को भी प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने पीएनजी, मेट्रो, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों आदि के उपयोग पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री की सरकारी बैठकों, सेमिनारों, कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप आदि के वर्चुअली आयोजन पर जोर रहा।उन्होंने कहा कि दुनिया में उथल–पुथल है, ऐसे में सभी को सावधानी बरतनी होगी। पीएम मोदी के आह्वान का पालन करने के लिए राज्यों को तैयार रहना होगा।

नीट पेपर लीक मामले की जांच के लिए जयपुर पहुंची सीबीआई की टीम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 पेपर लीक मामले की जांच अब आधिकारिक रूप से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। सीबीआई की एक टीम मंगलवार देर शाम जयपुर में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप मुख्यालय पहुंची। इसके बाद राजस्थान एसओजी ने मामले से जुड़े सभी दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और अब तक गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी सीबीआई को सौंप दी। सीबीआई ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और अब जांच पूरी तरह उसके हाथ में है। एजेंसी ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, चोरी और सबूत नष्ट करने जैसे आरोप शामिल हैं। इसके साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और पब्लिक एग्जामिनेशन (अनफेयर मीन्स प्रिवेंशन) एक्ट 2024 की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की शिकायत के अनुसार, नीट परीक्षा 3 मई को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद एनटीए को कई शिकायतें और खुफिया जानकारी मिली कि परीक्षा से पहले ही कुछ गोपनीय दस्तावेज अवैध रूप से प्रसारित किए गए थे। पिछले कुछ दिनों में एसओजी ने जयपुर, जमवारामगढ़, सीकर और अन्य जिलों में लगातार छापेमारी की और करीब 15 लोगों को गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों को पूरे नेटवर्क की जांच के लिए दिल्ली ले जाया जा सकता है, जहां उनसे 'गेस पेपर' तैयार करने, उसके वितरण और छात्रों तक पहुंचने के पूरे नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जाएगी। जांच में सामने आया है कि सीकर और झुंझुनूं के कई छात्रों को परीक्षा से दो दिन पहले ही 'गेस पेपर' मिल गया था। दावा किया जा रहा है कि इसमें से 120 से अधिक प्रश्न असली परीक्षा में आए।

प्रतीक की मौत के बाद पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रतीक यादव की मौत के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। वहां उन्होंने प्रेस से बात करते हुए कहा कि प्रतीक से मेरी दो महीने पहले मुलाकात हुई थी। प्रतीक जुझारू किस्म का इंसान था। वह अपने स्वास्थ्य लेकर सजग था। जीवन में वह आगे बढ़ना चाहता था। उसके इस तरह से चले जाने का दुख है। वह अपनी मेहनत से कुछ करना चाहता था। मौत

की वजहों पर उन्होंने कहा कि इस पर जांच होनी चाहिए। परिवार इस मामले में जो फैसला लेगा उसका सम्मान होना चाहिए। उत्तर प्रदेश के बड़ी खबर है। मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। प्रतीक यादव के निधन की खबर ने सबको हैरत में डाल दिया। प्रतीक 38 साल के थे। शुरुआती जानकारी मिली है कि सुबह करीब छह बजे सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लाए गए थे। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करके उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिली है कि बुधवार को प्रतीक की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। अभी तक प्रतीक की मौत की वजह साफ नहीं हुई है। मुलायम सिंह के बेटे प्रतीक अपने पीछे पत्नी अपर्णा और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पत्नी अपर्णा यादव राजधानी लखनऊ में नहीं थीं। प्रतीक यादव के निधन की खबर मिलते ही नेताओं का लखनऊ के सिविल अस्पताल में जमा होना शुरू हो गया।

एस जयशंकर ने चिली के विदेश मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को चिली के अपने समकक्ष फ्रांसिस्को पेरेज मैकेना से मुलाकात की। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ष्सुबह चिली के विदेश मंत्री फ्रांसिस्को पेरेज मैकेना से मुलाकात सकारात्मक रही। दोनों देशों ने बाजारों और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने, प्राथमिकता वाले उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने और सर्विस इकोनॉमी को सुगम बनाने पर चर्चा की।" उन्होंने आगे कहा, "हमने बहुपक्षीय और बहु–देशीय मंचों पर मिलकर काम करने पर भी सहमति जताई। " मैकेना 9 मई से भारत की सात दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। पहले दिन ही नई दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने एक्स पर लिखा, "यह यात्रा

चिली और भारत के बीच संबंधों को और मजबूत करने का शानदार अवसर होगी। हम अपनी साझेदारी को गहरा करने, व्यापार और निवेश के अवसरों का विस्तार करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने चिली के विदेश मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ नाश्ते पर चर्चा की। बैठक के बाद गोयल ने कहा कि भारत और चिली ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर चल रही वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा की और द्विपक्षीय व्यापार, निवेश तथा रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। गोयल ने कहा, षचिली गणराज्य के विदेश मंत्री फ्रांसिस्को पेरेज मैकेना और चिली प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ नाश्ते पर अच्छी चर्चा हुई। " उन्होंने कहा, "हमने सीईपीए वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, निवेश तथा रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर विचार–विमर्श किया।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चिली के साथ अपनी लंबे समय से चली आ रही मैत्रीपूर्ण साझेदारी को भारत पूरा महत्व देता है और साझा विकास एवं समृद्धि के लिए आर्थिक संबंधों और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "भारत चिली के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है।

संपादकीय

राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात

किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में, भाषा बोलने– पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। संभवतरू यह अवैध भी है। टैक्सी और ऑटो ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा में निपुण होने की शर्त लागू कर महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात पहुंचाया है। देश के किसी हिस्से में जाकर रोजी–रोटी कमाने के नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक अधिकार के खिलाफ तो यह कदम है ही। इसे भाषा या क्षेत्र के आधार पर नागरिकों के साथ भेदभाव करना भी माना जाएगा। राज्य सरकार के निर्णय के मुताबिक अगले एक मई से ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए यह अनिवार्य हो जाएगा कि वे धारा–प्रवाह मराठी बोलें और मराठी भाषा को पढ़ सकें। जो ड्राइवर इसमें फेल होंगे, उन्हें राज्य में टैक्सी या ऑटो नहीं चलाने दिया जाएगा। आगे से किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य में इस काम की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिसमें भाषा संबंधी उपरोक्त क्षमता ना हो। राज्य सरकार के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और उप–कार्यालय खास सत्यापन अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान देखा जाएगा कि ड्राइवर प्रभावी ढंग से मराठी बोलने, लिखने, और पढ़ने में सक्षम हैं या नहीं। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा है कि जो ड्राइवर वेरिफिकेशन में फेल होंगे, उनके लाइसेंस और परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। मगर, मुद्दा है कि क्या ऐसा करना वैधानिक है? किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में, भाषा बोलने– पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। अगर ऐसी ही सोच से दूसरे राज्य भी प्रेरित हुए, तो मराठी भाषी सहित तमाम इलाकाई लोगों के लिए अन्य क्षेत्रों में मुश्किल खड़ी हो सकती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक महाराष्ट्र में 65 से 70 प्रतिशत टैक्सी–ऑटो ड्राइवर अन्य राज्यों के हैं। वे वहां वर्षों से काम कर रहे हैं, तो जाहिर है कि वे आम जन से संवाद करने लायक भाषा जानते– समझते हैं। भाषा जानने और सीखने का संबंध काफी हद तक रोज–रोटी के तकाजों से जुड़ा होता है। देवेंद्र फड़णवीस सरकार इस बुनियादी बात की उपेक्षा कर रही है। अतरू उचित होगा कि समाज को तोड़ने वाले इस कदम को वह वापस ले ले।

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

हरदीप सिंह पुरी

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था। हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं। कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी। बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ–साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे। बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी, जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था। वर्ष 1950–51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था। मैं उस कलकत्ता को जानता था। विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरुआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर में थी। कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है। बत्तियां जलती रहीं। ट्रामें चलती रहीं। कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं।

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची–समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली। यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा। श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं। मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी। ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं। कार्यकर्ता ये चंदा इकत्र्रा करते थे। सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी। पूंजीपतियों को राज्य से निकाल बाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी। जबरन वसूली से त्रस्त आम नागरिकों के वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई। वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई। माफिया ने अपना चोला बदल लियाय वह खत्म नहीं हुआ। वर्ष 2011 में, तृणमूल कांग्रेस श्परिवर्तनन्य के वादे पर सत्ता में आई। इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था। चंदा, अब एवजी–रकम बन गया। कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए। राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग में बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है। छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं। कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं। अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना था और उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था। इस बदले के केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा। एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर–बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई। इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिल रहीं। जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं। तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फरार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान श्परिवर्तनन्य की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्री ने एक ऐसे शासन का नेतृत्व किया जिसमें उनके राज्य की महिलाओं को उनके ही कार्यकर्ताओं के खिलाफ अदालतों व केन्द्रीय एजेंसियों की शरण लेनी पड़ी और सड़कों पर उतरना पड़ा। यह बेहद निंदनीय है। और घोर अन्यायपूर्ण भी। बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है।

ईरानी विमानों को अपने यहाँ छिपा कर पाकिस्तान ने उतार दिया 1971 का कर्ज

नीरज

1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान जब भारतीय हमलों से बचाने के लिए ईरान ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों और संसाधनों को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराया था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि पांच दशक बाद पाकिस्तान उसी एहसान का बदला चुकाता दिखाई देगा। अब आरोप लग रहे हैं कि अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई और क्षेत्रीय तनाव के बीच पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को अपने सैन्य ठिकानों पर सुरक्षित शरण दी। इस तरह इस्लामाबाद ने तेहरान का पुराना कर्ज तो उतार दिया है लेकिन अब वह खुद संकट में फंसता दिखाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की जटिल कूटनीतिक राजनीति को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि इस तरह के दावे वास्तविकता से परे हैं, क्योंकि नूर खान वायुसेना अड्डा राजधानी के अत्यंत व्यस्त और आबादी वाले हिस्से में स्थित है। पाकिस्तान का कहना है कि वहां किसी भी बड़े सैन्य बेडे या विमानों को छिपाकर रखना संभव ही नहीं है। दूसरी ओर अमेरिकी प्रशासन ने भी अब तक सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है, जिससे स्थिति और अधिक जटिल दिखाई दे रही है। सूत्रों के अनुसार ईरान ने संभावित खतरे को देखते हुए अपने कुछ नागरिक विमानों को पड़ोसी अफगानिस्तान की ओर भेजा। अफगान नागरिक उड्डयन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि महान एयर का एक विमान संघर्ष तेज होने से पहले काबुल पहुंचा था और बाद में सुरक्षा कारणों से उसे हेरात स्थानांतरित कर दिया गया। बताया गया कि अफगान क्षेत्र में पाकिस्तानी हवाई हमलों की खबरों के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि काबुल हवाई अड्डा भी संभावित निशाना बन सकता है। इन घटनाओं ने दक्षिण एशिया के जानकारों को 1971 के दौर की याद दिला दी है। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी के नेतृत्व वाला ईरान पाकिस्तान का प्रमुख समर्थक बनकर सामने आया था। तेहरान ने इस्लामाबाद को हेलिकाप्टर, ईंधन, गोला बारूद और सैन्य उपकरणों के कलपुर्जे उपलब्ध कराए थे। कई रिपोर्टों में यह भी उल्लेख मिलता है कि पाकिस्तान के कुछ सैन्य विमानों ने ईरानी वायुसेना अड्डों पर शरण ली थी। बाद में सार्वजनिक हुए अमेरिकी दस्तावेजों से पता चला था कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन प्रशासन ने पर्दे के पीछे ईरान को पाकिस्तान की सहायता के लिए प्रोत्साहित किया था। उस दौर में अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान को कमजोर होने से बचाना चाहते थे। शीत युद्ध के समय ईरान और पाकिस्तान दोनों सोवियत विरोधी सैन्य गठबंधन सेन्टो के सदस्य थे और निक्सन प्रशासन इन्हें क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को रोकने वाले महत्वपूर्ण साझेदार मानता था। पांच दशक बाद वैश्विक राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। आज ईरान अमेरिका का प्रमुख पश्चिम एशियाई प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, जबकि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में चीन का सबसे करीबी सुरक्षा सहयोगी बन चुका है। चीन ने हाल के

समय में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष संपर्क स्थापित कराने में पाकिस्तान की भूमिका की सार्वजनिक सराहना भी की है। इस बदलती परिस्थिति में पाकिस्तान का संतुलन साधना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। पाकिस्तान एक ओर चीनी सैन्य उपकरणों पर अत्यधिक निर्भर है। रिपोर्टों के अनुसार 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के प्रमुख हथियार आयात का लगभग अस्सी प्रतिशत हिस्सा चीन से आया। वहीं दूसरी ओर इस्लामाबाद अमेरिका के साथ अपने सैन्य और खुफिया संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिश भी कर रहा है, जो बराक ओबामा प्रशासन के दौरान काफी कमजोर पड़ गए थे। पाकिस्तानी अधिकारी लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि तेहरान के साथ उनके संबंध किसी गुप्त सैन्य सहयोग की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रचनात्मक कूटनीति का हिस्सा हैं। पाकिस्तान समय समय पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश भी करता रहा है। उसका दावा है कि दोनों देशों के साथ कार्यकारी संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता क्षेत्रीय तनाव कम करने में सहायक हो सकती है। इसके बावजूद अमेरिकी सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक प्रभावशाली हिस्से में पाकिस्तान को लेकर संदेह अब भी गहराई से मौजूद है। अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन की पाकिस्तान में मौजूदगी की स्मृति आज भी अमेरिका पाकिस्तान संबंधों पर भारी पड़ती है। अमेरिकी अधिकारी और सांसद लंबे समय से पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था के कुछ तत्वों पर इस्लामी उग्रवादी संगठनों के साथ चयनात्मक संबंध रखने के आरोप लगाते रहे हैं, हालांकि पाकिस्तान इन आरोपों को लगातार नकारता आया है। ताजा आरोपों ने अमेरिकी संसद में भी नई बहस छेड़ दी है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान द्वारा ईरान को सैन्य सहायता या शरण देने की खबरें सही साबित होती हैं, तो अमेरिका को ईरान और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ के रूप में इस्लामाबाद की भूमिका का पूरी तरह पुनर्मूल्यांकन करना पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की राजनीति में पुराने रिश्ते, सामरिक हित और बदलते वैश्विक गठबंधन आज भी गहराई से प्रभाव डाल रहे हैं। बहरहाल, विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान पर आंख मूंदकर भरोसा करना अमेरिका सहित कई देशों के लिए पहले भी भारी पड़ चुका है।

वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं मोदी

नीरज

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू–राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं। संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद–प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं। मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत–नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत–यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत–नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत–इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह–विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है। इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

2026 के विधानसभा चुनावों के नतीजे से क्षेत्रीय पार्टियों की भूमिका को झटका

कल्याणी शंकर

राजनीति में चुनाव जीतना और हारना आम बात है। फिर भी, हाल के नतीजेकृअरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे की हार की तरह ही कृमहत्वपूर्ण राजनीतिक बदलावों को उजागर करते हैं, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सत्ता समीकरणों पर असर डालते हैं, और पाठकों को इन बदलावों के व्यापक प्रभावों को समझने में मदद करते हैं। चुनाव विश्लेषण हाल ही में संपन्न हुए 2026 के विधानसभा चुनावों में तीन प्रमुख मुख्यमंत्रियों को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। यह एक ऐसी स्थिति है जिसे राजनीतिक क्षेत्र में कई लोग एक चुनौतीपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखते हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के मुख्यमंत्रियों को अपने–अपने राज्यों के चुनावों में हार का सामना करना पड़ा ।राजनीति में चुनाव जीतना और हारना आम बात है। फिर भी, हाल के नतीजेकृअरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे की हार की तरह ही कृमहत्वपूर्ण राजनीतिक बदलावों को उजागर करते हैं, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सत्ता समीकरणों पर असर डालते हैं, और पाठकों को इन बदलावों के व्यापक प्रभावों को समझने में मदद करते हैं। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की जीत एक बड़े विस्तार का संकेत है, जो केंद्र के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। यह प्रभाव क्षेत्रीय पार्टियों के लिए चुनौती पेश करता है और भारतीय राजनीति में सत्ता के समग्र संतुलन को फिर से परिभाषित करता है, जो मौजूदा रुझानों को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है ।क्षेत्रीय पार्टियों के लिए बदलाव मुश्किल हो सकते हैं, जबकि वे हमारे लोकतंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपने समर्थकों की भावनाओं को समझना इस संक्रमण काल के दौरान सहानुभूति और आपसी समझ को बढ़ावा देता है। तमिलनाडु में राजनीतिक स्थिति और भी अधिक गहमागहमी भरी रही है, क्योंकि विभिन्न पार्टियां पर्दे के पीछे से अपनी रणनीतियों पर काम करती रही हैं। श्तमिलगावेट्रीकजगमश (टीवीके)ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन बहुमत हासिल करने के लिए उसे 118 सीटों की आवश्यकता थी। उसे कांग्रेस, माकपा, भाकपा और वीसीके का समर्थन प्राप्त है, और विजय मुख्यमंत्री बन गये हैं। हालांकि, टीवीके के पास अभी भी अकेले दम पर सरकार चलाने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं हैं। राज्यपाल से मुलाकात के चार दिन बाद, रविवार को विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।जहां कुछ क्षेत्रीय पार्टियों का प्रभाव कम हो रहा है, वहीं विजय की पार्टी टीवीके का उदय राजनीति में एक नया दृष्टिकोण लेकर आया है। द्रमुक, टीएमसी, और सीपीआई(एम) जैसी स्थापित पार्टियों को भविष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। शिवसेना अपने आंतरिक कलह से जूझ रही है, और अकाली दल को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एनसीपी और जेडी(एस) जैसी अन्य पार्टियां अपना प्रभाव खो रही हैं, और जेडी(यू) भी पतन की ओर अग्रसर प्रतीत होती है। इसके अतिरिक्त, बीआरएस और बीएसपी भी अपनी–अपनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं, जो उनके समर्थकों के लिए निराशाजनक हो सकता है। 2026 के चुनाव में भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से ममता बनर्जी की हार पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक अहम मोड़ है। इसने ममता की 2011 के बाद की जीत के सिलसिले को खत्म कर दिया है और उनके राजनीतिक भविष्य तथा क्षेत्रीय नेतृत्व की गतिशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ये दोनों ही बातें मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को समझने के लिए बेहद जरूरी हैं ।ममता बनर्जी के लिए आगे क्या है? वह शायद अपने विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगी और टीएमसी को एकजुट करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी।

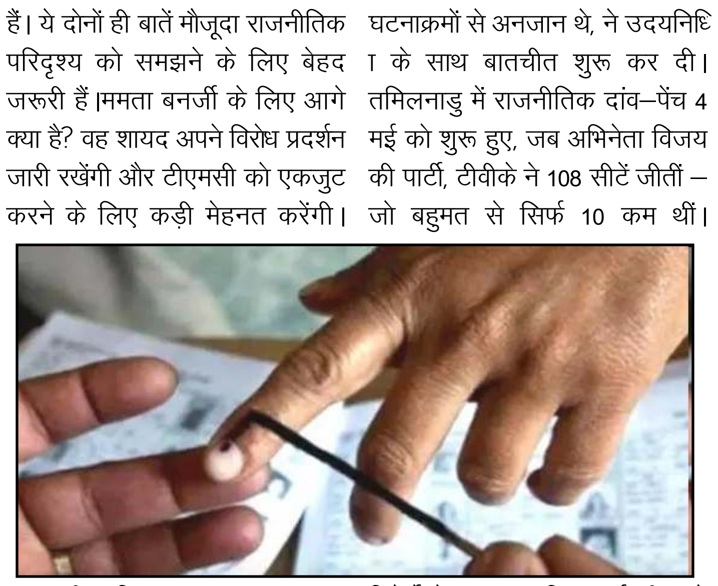

साथ ही इंडिया गठबंधन का एक अहम हिस्सा बनी रहेंगी। फिर भी, कई समर्थक और विश्लेषक पश्चिम बंगाल में भाजपा के बढ़ते प्रभाव के बीच उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित हैं, जो क्षेत्रीय नेतृत्व की गतिशीलता को नया रूप दे सकता हैएक जोरदार अफवाह थी कि डीएमके और एआईएडीएमके मिलकर सरकार बनाएंगी, क्योंकि विजय बहुमत हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उसी रात, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादीपलानीस्वामी, जो इन घटनाक्रमों से अनजान थे, ने उदयनिधि के साथ बातचीत शुरू कर दी। तमिलनाडु में राजनीतिक दांव–पेंच 4 मई को शुरू हुए, जब अभिनेता विजय की पार्टी, टीवीके ने 108 सीटें जीतीं – जो बहुमत से सिर्फ 10 कम थीं। रिपोर्टों से पता चला कि एआईएडीएमके के नेता एस. पी. वेलुमणि और सी. वी. षणमुगम का लक्ष्य पार्टी के 47 विधायकों में से 33 को टीवीके के साथ जोड़ना था, और वह भी दलबदल विरोधी कानून से बचते हुए। भारत के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है, क्योंकि 1977 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी भी राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार नहीं है। केरल से वामपंथ का नियंत्रण हटना इस बदलाव का प्रतीक है। यह उस दौर के बाद हुआ है जब ज्योति बसु जैसी हस्तियां प्रधानमंत्री बनने के बेहद करीब पहुंच गई थीं। पश्चिम बंगाल में वामपंथ के 34 साल के शासन और त्रिपुरा तथा केरल में हाल ही में मिली हार ने उसके पतन को उजागर किया है, जिससे उसके कार्यों और भाजपा के उदय पर चिंतन करने की जरूरत महसूस होती है। इतना ही नहीं, ज्योति बसु के प्रधानमंत्री बनने के करीब पहुंचने से लेकर वाम मोर्चा के ऐतिहासिक प्रभाव और बंगाल में उसकी मौजूदगी तक– इस शक्तिशाली वैचारिक शक्ति का पतन उसकी उपलब्धियों और असफलताओं पर चिंतन करने का भी अवसर देता है। सीपीआई(एम) को सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए खुद को फिर से संगठित करने और नई ऊर्जा भरने की जरूरत होगी। कांग्रेस पार्टी ने अभी तक अपने नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की है, लेकिन कई लोग राहुल गांधी के करीबी सहयोगी के.सी. वेणुगोपाल को एक संभावित उम्मीदवार के तौर पर देख रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

पीजीआई क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा–ट्रैवलर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 74 वर्षीय बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हो गई। हरिकेश गढ़ी चौकी के सामने कट के पास तेज रफ्तार ट्रैवलर वाहन ने मोटरसाइकिल सवार बुजुर्ग को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ट्रैवलर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, घटना 11 मई 2026 की रात करीब 9:15 बजे थाना पीजीआई क्षेत्र के हरिकेश गढ़ी चौकी के सामने कट के पास हुई। स्थानीय लोगों ने सड़क दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।मौके पर घायल व्यक्ति की पहचान वासुदेव यादव पुत्र स्वर्गीय महादेव यादव, निवासी बाबू खेड़ा, थाना पीजीआई, लखनऊ के रूप में हुई। वासुदेव यादव मोटरसाइकिल संख्या यूपी32एलआर3589 से पीजीआई से मोहनलालगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही ट्रैवलर वाहन संख्या यूपी33बीटी3279 ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए घटना के तुरंत बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस बुलाकर घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर–2 पीजीआई भेजा। पुलिस ने घायल के मोबाइल फोन के माध्यम से उनकी पुत्री रेनू यादव को घटना की सूचना दी। परिजनों की मौजूदगी में उपचार के दौरान वासुदेव यादव ने दम तोड़ दिया, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।हादसे के बाद ट्रैवलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा करा दिया है।

सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान, सीसीटीवी में संदिग्ध कैद

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बाजारखाला थाना क्षेत्र स्थित अग्रसेन पार्क में मंगलवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक गंभीर चोटिल अवस्था में पार्क के भीतर पड़ा मिला, जिसके सिर और चेहरे पर गहरे घाव पाए गए। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, मंगलवार को थाना बाजारखाला को सूचना प्राप्त हुई कि अग्रसेन पार्क में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पार्क के भीतर एक अज्ञात व्यक्ति, जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है, मृत अवस्था में मिला।पुलिस जांच में मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक पर किसी भारी लकड़ी या कठोर वस्तु से हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी।घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पुलिस को अहम सुराग मिले हैं।

मलिहाबाद में शराब ठेके पर विवाद बना खूनी संघर्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के मलिहाबाद थाना क्षेत्र में देशी शराब ठेके पर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब खरीदने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने ठेके पर कार्यरत सेल्समैन पर लोहे की पाइप से हमला कर उसकी हत्या कर दी। बीच–बचाव करने आए एक अन्य व्यक्ति को भी आरोपी ने पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी को घटना के कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया तथा उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे की पाइप भी बरामद कर ली।पुलिस के अनुसार, 11 मई 2026 को मलिहाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला सैय्यदबाड़ा निवासी हेमा पत्नी अजय कुमार जायसवाल उर्फ रिंकू जायसवाल ने तहरीर देकर सूचना दी कि उनके पति अजय कुमार जायसवाल उर्फ रिंकू जायसवाल ग्राम ढेढेमऊ स्थित देशी शराब ठेके पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत थे। आरोप है कि ग्राम ढेढेमऊ निवासी नन्हक्के कश्यप ने लोहे की पाइप से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के दौरान बीच–बचाव करने पहुंचे रज्जन लाल निवासी ग्राम पुरवा को भी आरोपी ने मारपीट कर घायल कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना मलिहाबाद में तत्काल हत्या और मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई।पुलिस की सक्रियता के चलते मुखबिर की सूचना पर उसी दिन शाम करीब 7:30 बजे समदा तालाब, कस्बा मलिहाबाद के पास से आरोपी नन्हक्के कश्यप को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार करते हुए ।

मड़ियांव पुलिस ने अंतरराज्यीय चोरी गिरोह के 5 सदस्यों को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में ई–रिक्शा और टैंपो में सफर करने वाले यात्रियों के बैग से गहने और कीमती सामान चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का मड़ियांव पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के दो पुरुष और तीन महिलाओं समेत कुल पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों का संबंध हरियाणा और राजस्थान से बताया जा रहा है, जो लखनऊ में अस्थायी रूप से रहकर वारदातों को अंजाम दे रहे थे।पुलिस के अनुसार, 11 मई 2026 को थाना मड़ियांव पुलिस टीम भिठौली तिराहे पर गश्त और चेकिंग में मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में ई–रिक्शा और टैंपो में सवार यात्रियों के साथ चोरी की घटनाओं में शामिल कुछ संदिग्ध पुरुष और महिलाएं नौबस्ता मोड़ से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क के पास बैग के साथ मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर पांचों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।पूछताछ में पकड़े गए आरोपितों ने अपनी पहचान जय प्रकाश उर्फ जैकी, मनोज कुमार उर्फ जत्थू, रजनी, रामवती और अनीता के रूप में बताई। इनमें दो आरोपित हरियाणा के पलवल जिले के निवासी हैं, जबकि एक महिला राजस्थान के धौलपुर जनपद की रहने वाली है। सभी वर्तमान में मल्होर रेलवे स्टेशन के पास चिनहट क्षेत्र में अस्थायी रूप से रह रहे थे।

''सपा प्रवक्ता राम कुमार भाटी ने कहा कि ब्राह्मण वैश्या से भी बुरे है'

लखनऊ। सर्वजन सनातन पार्टी इस कथन की घोर निन्दा करती है और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से कहना चाहती है कि भाटी को तत्काल पार्टी से निकाल बाहर करे और उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करती है कि यदि ऐसा कहवाने में आपका हाथ नहीं है तो भाटी को तत्काल गिरफ्तार कर माटी में मिलाने का कार्य करे। आप लोगों ने देखा है कि इसके पहले मे श्राम, स्वामी प्रसाद मौर्य , चन्द्र शेखर जैसे नेता, पै वर्मा जैसे लोग भी ब्राह्मणों को गाली देते रहे हैं और सरकार उन्हें संरक्षण देती रही। ऐसा क्यों कहा कहा जा रहा है केवल ख्याति पाने के लिए ही नहीं या ब्राह्मणों को याद दिलाने के लिए कि तुम क्या थे क्या हो गए। रागिनी अवस्थी ने कहा कि भाटी ने यह कहकर साफ कर दिया कि आज ब्राह्मणों का शिखा पकड़कर घसीटने का कार्य हुआ। ब्राह्मणों ने विरोध नहीं किया बल्कि कुछ ब्राह्मण अपने स्वार्थ में ब्राह्मणों के खिलाफ बोलने लगे । उन्होंने कहा कि भगवान शंकराचार्य के विरुद्ध अनेक षडयंत्र रचे जा रहे हैं। ब्राह्मण नहीं बोल रहे हैं। ब्राह्मणों की बहिन बेटी के ऊपर टिप्पणी हो रही है। ब्राह्मण नहीं बोल रहे हैं। ब्राह्मणों को विदेशी कहा जा रहा है। ब्राह्मण नहीं बोल पा रहे हैं। ब्राह्मण लात खा रहे हैं। कुछ नहीं कर पा रहे हैं। ब्राह्मणों की जमीन पर कब्जा हो रहा है। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ब्राह्मणों की हत्या हो रही है कोई बोल नहीं रहा है बल्कि स्वार्थी ब्राह्मण सरकार के पक्ष में खड़े होकर खुद ब्राह्मणों को अपराधी कह रहे हैं। रागिनी ने खेत व्यक्त करते हुए कहा कि इसके बावजूद भी ब्राह्मण समाज अंधभक्त चमचे और पिछलग्गू बनकर उन्हीं पार्टियों, सरकारों की जय जय कार कर रहे। ''यह बहुत गंभीर विषय है'' 'अक्लमंद को इशारा काफी' ब्राह्मण समाज अपनी आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक उन्नति, सम्मान स्वाभिमान और सुरक्षा की गारंटी चाहता है तो बिना किसी दूसरे पार्टी में गए एक साथ सर्वजन सनातन पार्टी से जुड़े। अपनी सनातनी आदर्श सरकार बनाये। अन्यथा उनका उत्पीड़न होता रहेगा।

ईंधन संरक्षण के लिए डीएम की पहल, काफिले से हटाया एस्कॉर्ट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की है। जिलाधिकारी ने ईंधन बचत अभियान को प्रभावी बनाने के लिए अपने काफिले से एस्कॉर्ट वाहन हटाने का निर्णय लिया है। यह कदम ईंधन की अनावश्यक खपत कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सरकारी वाहनों का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला मुख्यालय, तहसील और ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध वाहनों का न्यूनतम प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी कार्यालय में चार वाहन उपलब्ध हों, तो आवश्यकता के अनुसार एक ही वाहन का उपयोग किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अधिकतम बैठकों का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अनावश्यक यात्रा और ईंधन की खपत को रोका जा सके। साथ ही अनावश्यक क्षेत्र भ्रमण और बैठकों के लिए वाहनों के प्रयोग से बचने को कहा गया है। डीएम ने प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल और वर्चुअल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल सरकारी विभागों तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि निजी वाहनों की अपेक्षा सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें और ईंधन संरक्षण में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि छोटी–छोटी बचतें मिलकर बड़े स्तर पर ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

सपा में अब "दगे हुए कारतूस" इकट्ठा हो गए हैं - ओम प्रकाश राजभर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में ओम प्रकाश राजभर गुरुवार को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के भकुरा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने देश की राजनीति, विपक्ष और कानून व्यवस्था को लेकर कई तीखी टिप्पणियां कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई हालिया टिप्पणी को लेकर राजभर ने कहा कि "देश के प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी करना पूरे देश का अपमान है। 140 करोड़ जनता ने उन्हें चुना है, इसलिए उनका सम्मान करना हर नागरिक और जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है।" उन्होंने कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले नेताओं को उसकी मर्यादा में रहकर ही बयान देना चाहिए। राजभर ने कहा कि आज विपक्ष केवल आरोप–प्रत्यारोप की राजनीति कर रहा है, जबकि सरकार विकास कार्यों में जुटी है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज कायम हुआ है। "पहले दंगे और कर्फ्यू आम बात थे, लेकिन पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में शांति और विकास दोनों देखने को मिला है," उन्होंने कहा। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजभर ने कहा कि "डूबती हुई नाव पर कोई बैठना नहीं चाहता।" उन्होंने समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा में अब "दगे हुए कारतूस" इकट्ठा हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी 62 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि एक्सप्रेस–वे और बेहतर कनेक्टिविटी से लोगों का जीवन आसान हुआ है। "अब लोग जौनपुर में चाय पीकर लखनऊ में नौकरी करने पहुंच जाते हैं," उन्होंने कहा। राजभर ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब विकास और अमन–चैन चाहती है, और आने वाले चुनावों में इसका असर साफ दिखाई देगा।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, सपा सांसद माफी मागे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी के सांसद आर्जेद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी जी के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के विरोध में गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार धरना–प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लेते हुए सपा सांसद के खिलाफ नारेबाजी की और उनके इस्तीफे की मांग उठाई। धरने को संबोधित करते हुए रागिनी सिंह ने कहा कि सार्वजनिक मंच से देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ निम्नस्तरीय भाषा का प्रयोग न केवल प्रधानमंत्री का अपमान है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर भी सीधा आघात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग सपा की मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा जिला मंत्री अंशु कुशवाहा ने कहा कि सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी बिना शर्त देश और प्रधानमंत्री से माफी मांगें। उन्होंने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से भी यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या वह अपने सांसद की भाषा का समर्थन करता है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द माफी नहीं मांगी गई तो आंदोलन तहसील और गांव स्तर तक चलाया जाएगा। क्षेत्रीय मंत्री महिला मोर्चा अर्चना शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणी बेहद अशोभनीय है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सार्वजनिक माफी और संबंधित सांसद पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान विमला श्रीवास्तव, किरन मिश्रा, प्रीति गुप्ता, राखी सिंह, वंदना सिंह, पूनम प्रजापति, पूजा सिंह समेत सैकड़ों महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

साथ में पी शराब, गले में हाथ डालकर पहुंचे पार्क, फिर दोस्त ने मार डाला

लखनऊ, (संवाददाता)। बाजारखाला के संजयनगर निवासी श्रमिक विजय गौतम (40) की मंगलवार दोपहर हत्या कर दी गई। उनका शव अग्रसेन पार्क में खून से लथपथ मिला। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से हत्यारोपी मोतीझील निवासी देवेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, देवेंद्र कुमार ने शराब के नशे में हुए विवाद में डंडे से विजय की सिर व चेहरे पर वार कर हत्या कर दी और भाग निकला। विजय की मां रामकली ने हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया कि तिलकनगर स्थित अग्रसेन पार्क में विजय गौतम का खून से लथपथ शव मिला। सिर व चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे। शव के आसपास खून बिखरा पड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ की मदद से पहचान का प्रयास किया। पहचान न होने पर शव को पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा गया। बाजारखाला पुलिस ने पार्क के अंदर व बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में विजय और देवेंद्र दोपहर में गले में हाथ डाले पार्क में जाते दिखे। कुछ देर बाद देवेंद्र अकेला बाहर निकला और फिर डंडा लेकर अंदर गया। कुछ ही मिनटों में वह पार्क से बाहर भागता नजर आया। फुटेज की मदद से पुलिस ने आसपास के लोगों से देवेंद्र की पहचान की। उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में देवेंद्र ने शराब के नशे में विजय से हुए विवाद में हत्या को कबूला। उसने डंडे से वार कर विजय की हत्या करने की बात स्वीकार की। आरोपी देवेंद्र की मदद से विजय के घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। डीसीपी ने बताया कि विजय की मां रामकली की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराने पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। विजय अविवाहित थे। उनके घर में वृद्ध मां के अलावा एक भाई अंकित और छह बहनें हैं। भाई अंकित गौतम ने बताया कि विजय सुबह घर से भंडारे में जाने की बात कहकर निकले थे। करीब 12 बजे तक भंडारे में श्रमदान किया। इसके बाद दोनों ने संजयनगर चौराहे के पास शराब पी थी। विजय बुलाकी अड्डा स्थित रजाई गद्दे के कारखाने में मजदूरी करता थे। गर्मी में इसका काम ठप हो जाता है। इसलिए मौलवीगंज या और कहीं भी काम कर लेता था। आरोपी भी मजदूरी करता है।

आजादी के 76 साल बाद भी गयासपुर नोनारी में नहीं खुला प्राथमिक विद्यालय, ग्रामीणों ने उठाई आवाज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, यूपी के जौनपुर स्थित शाहगंज तहसील क्षेत्र के गयासपुर नोनारी ग्रामसभा में आजादी के 76 वर्ष बाद भी प्राथमिक विद्यालय न होने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। गुरुवार को जौनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रवादी नौजवान सभा के अध्यक्ष नवीन सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सुनील भारती को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने गांव में जल्द से जल्द प्राथमिक विद्यालय स्थापित किए जाने की मांग उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे नवीन सिंह ने बताया कि शाहगंज तहसील स्थित गयासपुर नोनारी ग्रामसभा में लगभग 400 परिवार और करीब 2000 मतदाता निवास करते हैं, लेकिन आज तक यहां एक भी प्राथमिक पाठशाला नहीं खोली गई। उन्होंने कहा कि गांव के छोटे बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए 3 से 5 किलोमीटर दूर दूसरे गांवों के विद्यालयों तक पैदल जाना पड़ता है। लंबी दूरी तय करने के दौरान कई बार बच्चे रास्ते में गिर जाते हैं और दुर्घटनाओं का भी खतरा बना रहता है। इससे अभिभावकों में लगातार चिंता और मानसिक तनाव की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्राथमिक विद्यालय के अभाव में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बच्चों की पढ़ाई सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। शिक्षा की मूलभूत सुविधा न होना गांव के सामाजिक और शैक्षिक विकास में बड़ी बाधा बन गया है। राष्ट्रवादी नौजवान सभा ने जिलाधिकारी से मांग की है कि गांव में प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तत्काल आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। संगठन की ओर से यह भी बताया गया कि गांव में विद्यालय निर्माण और खेलकूद के लिए ग्राम समाज की लगभग दो बीघा भूमि उपलब्ध है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बच्चों के भविष्य और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गयासपुर नोनारी ग्रामसभा में अविलंब नए प्राथमिक विद्यालय का निर्माण कराया जाए।

भंडारों में दिखी समरसता, प्रसाद से की पेट पूजा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में दूसरे बड़े मंगल पर हुए भंडारों के आयोजनों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए शिप्रा पाठक ने 45 हजार हरे पत्तल और पांच हजार हनुमान चालीसा से अभिमंत्रित पौधों का निशुल्क वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गोमती संरक्षण को लेकर अयोध्या से रामेश्वरम तक 13 हजार किलोमीटर पद यात्राएं कर चुकीं शिप्रा पाठक ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही पंचतत्व संस्था के स्वयंसेवक वाहनों से राजधानी के अलग–अलग क्षेत्रों में पहुंचे और भंडारों में हरे पत्तलों व पौधों का वितरण किया। अभियान के दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक कृष्ण गोपाल भी पहुंचे। गौरैया संस्कृति संस्थान की ओर से हनुमान सेतु स्थित संकट मोचन मंदिर में वरिष्ठ लोकगायिका इंदिरा श्रीवास्तव के सिखाए गीतों की प्रशिक्षु महिलाओं ने प्रस्तुतियां दीं। संस्थान की अध्यक्ष ने बताया कि इस अवसर पर लोक भजनों के साथ ही श्रीराम व हनुमान जी के भजनों की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर आशा तिवारी, सुनीता चौरसिया, रीना सिंह, कुमकुम मिश्रा, अमृता दीक्षित, अल्पना श्रीवास्तव, सुषमा सक्सेना, सुनीता निगम, अनुराधा गुप्ता, अमिता द्विवेदी, रेणुका त्रिपाठी आदि मौजूद रहीं। कैंट रोड पर स्थित अशोक सिंघल चौराहे के पास प्रदीप भार्गव की पुण्य स्मृति में आयोजित भंडारे में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. नीरज सिंह, अपूर्व भार्गव, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, प्रांत प्रचारक कौशल, पर्यावरण प्रमुख गोपाल आर्य, प्रमुख प्रचारक मनोज कांत, विभाग कार्यवाह प्रशांत भाटिया, राष्ट्र धर्म निर्देशक अभिनव भार्गव और वाटर वुमन शिप्रा पाठक आदि मौजूद रहे। हजरतगंज चौराहे पर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पर डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बीबीडी ग्रुप व डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के अध्यक्ष विराज सागर दास ने मौजूद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया।

रहस्य बनी प्रतीक की मौत, दोस्त और साला उन्हें लेकर अस्पताल आए डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा नेता अर्पणा यादव के पति और अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव का आकस्मिक निधन हो गया। लखनऊ के सिविल अस्पताल में सुबह छह बजे करीब उनको लेकर आया गया। साथ में मित्र और परिवार के लोग थे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें जांच पड़ताल के बाद मृत घोषित कर दिया। अभी तक आ रही जानकारियों के अनुसार उनकी मौत किस वजह से हुई है इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी। बीते कुछ महीने पहले प्रतीक यादव अपनी पत्नी अर्पणा यादव के साथ तलाक की खबरों की वजह से चर्चाओं में आए थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अर्पणा यादव पर कई आरोप लगाते हुए उनसे अलग होने की बात कही थी। बाद में उन्होंने अकाउंट हैक होने की बात कहते हुए अर्पणा के साथ फोटो शेयर की। सुबह छह बजे उन्हें बीमार हालत में उनके साले चंद्रशेखर और मित्र राहुल पाठक लेकर आए। साथ में पत्नी अर्पणा यादव नहीं थीं। डॉक्टरों के अनुसार जांच करके उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अर्पणा यादव के पति प्रतीक यादव के निधन पर दुख जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव के निधन पर दुख जताया है। इस बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए हैं। इधर अर्पणा यादव को एयरपोर्ट से लेने के लिए गाड़ी गई है। वह शहर के बाहर हैं। यह साफ नहीं हो पा रहा है कि वह कहां पर हैं।

सीबीएसई बोर्ड में 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अर्थव ने किया अपने माता–पिता का नाम रोशन

अयोध्या ।जिले के एसआरजी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी के पुत्र अथर्व वेद त्रिपाठी ने सीबीएसई बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा जेबी अकादमी से 97.2% से उत्तीर्ण कर अपने माता–पिता का व स्कूल का नाम रोशन किया है। इस सफलता के लिए मेधावी छात्र अर्थव ने बताया कि इसमें इनके पिता तथा माता के अलावा शिक्षकों का काफी सहयोग रहा है उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्य करना है।

नीट परीक्षा रद्द होते ही गोरखपुर के छात्रों में निराशा, बोले- कब तक झेलेंगे सिस्टम की नाकामी

गोरखपुर, (संवाददाता)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) रद्द होने से अभ्यर्थियों में निराशा और गुस्सा के साथ भविष्य को लेकर चिंताएं भी बढ़ गई हैं। सबसे बड़ी समस्या उन छात्रों के साथ है जो निम्न मध्यमवर्गीय या गरीब परिवारों से हैं और शहर में रहकर तैयारी करते थे। अच्छा पेपर होने के बाद रिजल्ट का इंतजार कर रहे उन अभ्यर्थियों को अब फिर से तैयारी करनी होगी। शहर में किराए पर कमरा लेकर तैयारी करने वाले छात्र आयुष ने बताया कि उसके पिता मुंबई में कमाते हैं। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके बाद भी उसे हर सुविधा उपलब्ध कराई गई। पेपर बहुत अच्छा हुआ था। घर वालों को बहुत आस थी। अब दोबारा तैयारी के लिए फिर खर्च लगेगा। नीट की परीक्षा तीन मई को शहर के 43 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। उसमें कुल 21,291 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। उनमें से 20,808 उपस्थित व 483 अनुपस्थित रहे थे। इस तरह परीक्षा में कुल 97.7 प्रतिशत ने उपस्थित दर्ज कराई थी। अब सभी अभ्यर्थियों को दोबारा तैयारी कर परीक्षा में शामिल होना होगा। कॅरिअर काउंसलर पुर्णेन्दु शुक्ल ने बताया कि परीक्षा रद्द होने के बाद छात्र और अभिभावक मुझसे संपर्क कर रहे हैं। मैं सभी छात्रों से यही कह रहा हूं कि इस परिस्थिति को निराशा या असफलता के रूप में बिल्कुल न देखें। आपकी तैयारी और मेहनत आज भी उतनी ही मजबूत है। यदि दोबारा अवसर मिलता है, तो उसे बेहतर प्रदर्शन के अवसर के रूप में लें। अभिभावकों से भी आग्रह है कि वे इस समय बच्चों पर अनावश्यक दबाव न बनाएं। बार–बार परीक्षा और परिणाम की चर्चा करने के बजाय बच्चों को भावनात्मक सहयोग दें। शांत वातावरण, नियमित दिनचर्या और सकारात्मक संवाद ही इस समय विद्यार्थियों को अवसाद और मानसिक दबाव से दूर रखने में सबसे अधिक सहायक होंगे। आज परीक्षा रद्द होने की खबर सुनकर शुरुआत में काफी निराशा हुई। लंबे समय से इसी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। पेपर भी अच्छा हुआ था।

टाइनी टॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई 12वीं में भी लहराया अपना परचम

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। टाइनी टॉटस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 12वीं रिजल्ट 100% रहा । विद्यार्थियों एवं अध्यापकों की कठिन मेहनत का परिणाम सुखद रहा। स्कूल के विद्यार्थियों में ऋषभ पांडे –93.2%, सिमरन चौधरी 89.8%, आर्या गुप्ता 89.4%, अमन कुमार 89.4:, आरुष सिंह 89%, शुभी 88.8% अंक प्राप्त कर के अग्रिम रहे। जिसमें वाणिज्य संकाय के ऋषभ पांडे ने 93.2% अंक प्राप्त किया। स्कूल के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों में आर्या गुप्ता ने 89.4% अमन कुमार ने 89.4% अंक प्राप्त किये। अंग्रेजी में श्रुति पाठक 98 अंक, रसायन विज्ञान में आर्या गुप्ता ने 95 अंक , जीव विज्ञान में शुभी और श्रुति पाठक ने 91 अंक , शारीरिक विज्ञान में अनिकेत कनौजिया व सिमरन चौधरी ने 94 अंक, आई .पी. में अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने 98 अंक, टूरिज्म में अखिलेश प्रताप ने 96 अंक, डाटा साइंस में तन्वी शुक्ला 97अंक, अर्थशास्त्र में आरुष सिंह ने 92 अंक, व्यवसाय अध्ययन में ऋषभ पांडे ने 97अंक , लेखा शास्त्र में आरुष सिंह ने 85 अंक प्राप्त किया । प्रशांत सिंह ने गणित में 75 व विज्ञान में 87 अंक प्राप्त किए। मनोविज्ञान में तान्या ने 76 अंक, समाजशास्त्र में दिशा के 71 अंक सहित अन्य छात्रों ने भी अच्छे अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया , परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में उत्सव का माहौल रहा। इस अवसर पर विद्यालय के निर्देशिका बिन्नी सिंह ने मेधावी छात्रों को माल्यार्पण कर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर उनका उत्साह वर्धन किया। उन्होंने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की । इस अवसर पर विद्यालय के समन्वयक गौरव सिंह तथा शैक्षणिक प्रमुख मनोज श्रीवास्तव , सुवीर सक्सेना, एकता भूटानी, मार्देश्वर सिंह , दिनेश मौर्य, राहुल मिश्रा , रवि सिंह, शिखा वान्टू सहित सभी अध्यापक अध्यापिकाओं ने विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

'मंदिरों एवं पर्यटन स्थालों के निर्माण कार्य गुणवत्ता परक पूर्ण करायें– अनुनय झा'

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को स्वामी विवेकानन्द सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में जनपद में पर्यटन विभाग की परियोजनाओं के अन्तर्गत मंदिरों एवं पर्यटन स्थालों पर करायें जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन सई नदी स्थिति मां शीतला माता मंदिर, रूइया गढ़ी, संडीला में सिद्वनाथ बाबा मंदिर, भरावन में जंगली शिव बाबा देवस्थान, कछौना में लगड़ेदास कुटी हनुमान मंदिर, बावन में श्री शिव संकट हरण मंदिर, भरखनी में रामताल मंदिर, मेहंदी घाट पर बेरिया बाबा मंदिर, धोबिया आश्रम तथा अहिरोरी में बाबा भूतनाथ दरबार की गहन समीक्षा की तथा कार्यदायी संस्था को निर्देश दिये कि सभी मंदिरों एवं पर्यटन स्थलों के निर्माण कार्य मानक के अनुरूप गुणवत्तापरक तथा समय पर पूर्ण करायें।

जिलाधिकारी ने सवायजपुर के कन्हैया लाल मंदिर, बावन के मां कुसुमा देवी मंदिर, सांडी के माता अम्बिका देवी मंदिर, संडीला के पचपकरिया माता मंदिर, पिहानी के श्री संकट मोचन हनुमान एवं दुर्गा व कृष्ण मंदिर, नगर के श्रवण देवी मंदिर, माता मनदेवी मंदिर तथा शाहाबाद के सिद्वपीठ संकटा देवी मंदिर के हुए पूर्ण निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्यो की समीक्षा की तथा पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिये जिन स्थानों का कार्य पूर्ण हो गया है उनको हैण्ड ओवर करायें और निर्माणाधीन कार्यो को शीघ्रता से पूरा करायें। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा कि जनपद की पौराणिक एवं ऐतिहासिक पाण्डुलिपियां पर्यटन समिति के सदस्यों से प्राप्त तक सोमवार तक उपलब्ध करायें। बैठक में पर्यटन अधिकारी दीपांकर चौधरी, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, सदस्य अशोक कुमार सिंह, पूर्व शासकीय अधिवक्ता अविनाश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दयानंद शुक्ला के प्रयास से गरीब मजदूर को निजी कंपनी से मिला न्याय

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। विधानसभा मवई ब्लॉक के नौगांवा गांव के निवासी अरविंद रावत दिल्ली में एक निजी कंपनी में कार्यरत थे।कार्य के दौरान दुर्भाग्यवश उनके एक हाथ की सभी उंगलियां कट गईं।इसके बाद कंपनी मालिक ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया और मुआवजे देने से साफ इनकार कर दिया। कंपनी मालिक ने कहा कि "आपकी गलती से हाथ कटा है, कोई मुआवजा नहीं मिलेगा।" गरीब मजदूर अरविंद रावत इलाज कराने के बाद गांव लौट आए और दो माह पूर्व वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री दयानंद शुक्ला को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। श्री दयानंद शुक्ला ने न्याय दिलाने का भरोसा दिया।श्री शुक्ला ने कंपनी मालिक पर लगातार दबाव बनाया और अपने संबंधों का उपयोग करते हुए पूर्व मंत्री श्री नरेश चौधरी के माध्यम से आज दिल्ली में कंपनी मालिक से पीड़ित अरविंद रावत को इलाज के लिए ध्2.22 लाख तथा मुआवजे के रूप में ध्2.10 लाख का चेक दिलवाया गया। कांग्रेस नेता दयानंद शुक्ला ने मजदूर अरविंद रावत को पूर्ण न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया है।अरविंद रावत के परिवार ने श्री दयानंद शुक्ला जी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की है। पूरे क्षेत्र में तथा विशेषकर पासी समाज में इस न्यायपूर्ण पहल को लेकर खुशी और सराहना का माहौल है।न्याय के लिए संघर्ष करने वाले गरीब मजदूर को न्याय मिलना इस बात का प्रमाण है कि सही प्रयास से असहायों की आवाज सुनी जा सकती है।

उपजिलाधिकारी बीकापुर जनपद अयोध्या द्वारा जल्द ही दो पक्षों के गंभीर जमीनी विवाद को कराया जाएगा खत्म

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। उपजिलाधिकारी श्रेया बीकापुर तहसील जनपद अयोध्या को जमीनी विवाद को लेकर ऑनलाइन संदर्भ में निवेदन पत्र देते हुए श्री निवास पाण्डेय ग्राम बरांव थाना तरुण द्वारा अवगत कराया गया है कि श्रीनिवास पांडे पुत्र राम अभिलाष पांडे की जमीन को विपक्षी आशा देवी द्वारा फर्जी तरीके से कब्जा किया जा रहा है जिसमें विपक्ष को कई बार समझाने का प्रयास किया गया कि वह फर्जी तरीके से जमीन को कब्जा ना करें लेकिन विपक्ष मानने को तैयार नहीं है और मौका पड़ने पर गाली गलौच व मारपीट पर उतारू हो जाते है।उपजिलाधिकारी बीकापुर सुश्री श्रेया से प्रार्थी ने प्रकरण में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर प्रकरण का उचित निस्तारण करने को लेकर अधिकारी को निवेदन पत्र सौंपा है जिसमें अधिकारी सुश्री श्रेया द्वारा आश्वासन दिया गया है कि आगामी रविवार तक टीम गठित कर निष्पक्ष जांच करवा कर निस्तारण करवा दिया जाएगा।

'हरदोई गंगा एक्सप्रेसवे से फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 34.4 हेक्टेयर भूमि का क्रय किया जा चुका है– अंकित तिवारी'

'पाली–(हरदोई)' उप जिलाधिकारी सवायजपुर अंकित तिवारी ने बताया है कि हरदोई गंगा एक्सप्रेसवे से फर्रूखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण हेतु तहसील सवायजपुर के प्रभावित सात ग्रामों में भूमि क्रय की प्रक्रिया अत्यंत तेजी से पूर्ण की जा रही है। परियोजना के लिए निर्धारित कुल 52.2 हेक्टेयर भूमि में से अब तक 34.4 हेक्टेयर भूमि का क्रय किया जा चुका है, जो कुल लक्ष्य का लगभग '65.9 प्रतिशत है इसके अतिरिक्त, अब तक 549 कृषकों के साथ कुल 212 बैनामे संपन्न किए जा चुके हैं। शेष भूमि को 30 मई तक क्रय करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एसडीएम अंकित तिवारी ने अवगत कराया कि प्रशासन द्वारा कृषकों के हितों को ध्यान में रखते हुए भुगतान की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जा रही है और अब तक 301 लाभार्थियों के खातों में कुल 17,46,36,252 रुपये की धनराशि भेजी जा चुकी है तथा 61 कृषकों के खातों में 5,47,04,041 रुपये के भुगतान की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, शेष कृषकों की पत्रावलियां तहसील स्तर से विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी के कार्यालय में प्रेषित की जा रही है। और आगामी 05 दिनों के भीतर शेष सभी लाभार्थियों को भुगतान सुनिश्चित कर दिया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सकों से भी महत्वपूर्ण है नर्सों की भूमिका

गोरखपुर, (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले नर्सिंग कर्मियों को मंगलवार को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और सीएमओ डॉ. राजेश झा ने सीएमओ कार्यालय में प्रतीक चिह्न प्रदान कर उनके योगदान को सराहा। मेयर ने कहा कि नर्सेज स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। उनकी भूमिका कुछ मामलों में चिकित्सक से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। चिकित्सा से जुड़ी सभी कड़ियों में नर्सिंग का प्रोफेशन कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। अच्छे नर्सिंग स्टाफ का व्यवहार मर्ज को ठीक करने में भी मददगार होता है। सीएमओ ने सभी नर्सेज से अनुकरणीय कार्य कर मिसाल बनने की अपील की। नर्सिंग स्टाफ संध्या मधई, सरिता सिंह और नुजहत परवीन आदि ने कहा कि अर्से बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से की गई ।

गोलघर व्यापार मंडल ने उठाईं बाजार की समस्याएं

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोलघर व्यापार मंडल के अध्यक्ष अभिषेक शाही के नेतृत्व में व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवागत नगर आयुक्त अजय जैन व मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव से मुलाकात कर गोलघर बाजार की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही शीघ्र समाधान की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि गोलघर मार्केट में ई–रिक्शा संचालन प्रतिबंधित होने से ग्राहकों की संख्या में कमी आई है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने मानसून से पूर्व नाला एवं पाथवे निर्माण कार्य पूरा कराने, नो वेंडिंग जोन का सख्ती से अनुपालन कराने तथा बाजार की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने की मांग रखी। व्यापार मंडल की ओर से इंदिरा बाल विहार के बेसमेंट में पार्किंग तथा ऊपर के तल पर पार्क एवं फूड कोर्ट विकसित करने का सुझाव भी दिया गया। साथ ही मल्टी लेवल पार्किंग का 24 घंटे संचालन सुनिश्चित करने, जलकल परिसर स्थित आरओ प्लांट को चालू कराने तथा काली मंदिर के निकट मेडिकल स्टोर के बगल में सुलभ शौचालय निर्माण की मांग भी उठाई गई। प्रतिनिधिमंडल ने गोलघर की प्रमुख गलियों गांधी गली, खोवा मंडी गली और काली मंदिर गली में ट्रैफिक डायवर्जन लागू करने की आवश्यकता भी बताई ताकि बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या कम हो सके। वहीं गोरखपुर मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक सेवा समिति के अध्यक्ष नवीन कुमार चौरसिया ने रेती रोड स्थित इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में आनंद कॉम्प्लेक्स के सामने नगर निगम की लगभग 10 हजार वर्गफीट अनुपयोगी जमीन पर पार्किंग, शौचालय और धर्मशाला निर्माण कराने की मांग की। उन्होंने मार्केट क्षेत्र में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की आवश्यकता भी बताई।

स्मार्ट कक्षा से छात्रों ने भरी अंतरिक्ष की उड़ान

उन्नाव, (संवाददाता)। औरास के रामपुर गढ़ौवां उच्च प्राथमिक स्कूल में 'आओ अंतरिक्ष की सैर करें' गतिविधि आयोजित की गई। बच्चों ने स्मार्ट कक्षा में बैठकर चांद, मंगल और अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया को करीब से महसूस किया। स्मार्ट स्क्रीन पर अंतरिक्ष यान, चंद्रमा की सतह, चंद्रयान और मंगल मिशन से जुड़े दृश्य दिखाए गए। छात्रा अल्फीसा ने बताया कि गुरुत्वाकर्षण के कारण चांद पर उसका वजन केवल छह किलो ही रह जाएगा। जीरो ग्रैविटी से जुड़े दृश्य देखकर छात्रा शगुन को लगा जैसे वह अंतरिक्ष में तैर रही हो। छात्रा अंकिता ने मंगल ग्रह पर जीवन और पानी की संभावनाओं से जुड़े वीडियो पर सवाल किए।पेस सूट

निबंध लेखन में अंकिता अव्वल

उन्नाव, (संवाददाता)। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से मेरा युवा भारत कार्यक्रम के तहत बीघापुर ब्लॉक के हुबलाल इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में 70 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निबंध लेखन में अंकिता अव्वल रहीं। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में सौरभ ने प्रथम, लकी निर्मल ने द्वितीय व काजल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में अंकिता शुक्ला प्रथम रहीं। दीप्ति को दूसरे एवं गुड़िया को तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। स्वच्छता अभियान प्रतियोगिता में आकाश प्रथम, लवकुश द्वितीय व शांति तृतीय स्थान पर रहीं। जिला युवा अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हर साल 11 मई को मनाया जाता है। यह दिन भारत के सफल परमाणु परीक्षणों की याद दिलाता है।

डीआईओएस कार्यालय मे स्वजन गणना कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अयोध्या गुरुवार को डीआईओएस कार्यालय मे स्वजन गणना कार्यक्रम आयोजन किया गया।इस मौके पर यहां पर डीआईओएस डाक्टर पवन कुमार तिवारी के अलावा मौजूद कर्मियों ने अपने–अपने मोबाइल से स्वजनगणना किया।इस मौके पर इन कर्मचारियों द्वारा स्वजनणना करते हुए अन्य लोगों को भी अपने–अपने मोबाइलों से दिए गए दूसरे लोगो को भी मोबाइल के माध्यम से स्वजन जनगणना करने के डीआईओएस डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने प्रेरित किया।इस अवसर पर डीआईओएस डाक्टर तिवारी के अलावा,प्रदीप कुमार वरिष्ठ सहायक,रविंद्र नाथ जोशी परीक्षा प्रभारीमोतीलाल मोरिया सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे

मिशन शक्ति फेज – 5 के तहत महिला एसओ ने किया जागरुक

अयोध्या बुधवार को मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला तथा अन्य पुलिसकर्मियों ने एजीके प्रथम अपरैल ट्रेनिंग सेंटर नाका पर जाकर वहां पर मौजूद लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं के विकास के लिए केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बारीकी से समझाया।उन्होंने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना ,बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष के अलावा महिला कांस्टेबल ममता देवी, राजेश तिवारी, महिमा गोस्वामी सहित अन्य महिला पुलिसकर्मी शामिल रहे।

अयोध्या में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर, 200 बिस्वा जमीन पर एडीए की कार्रवाई

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।इस समय विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध प्लाटिंग के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है ।इसी क्रम में मंगलवार को प्राधिकरण सीमा क्षेत्र में करीब 200 बिस्वा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीनों से अवैध निर्माण और प्लाटिंग को ध्वस्त कराया गया ।प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मुरावन टोला तारापुर रजौली में विजय यादव द्वारा लगभग 100 बिस्वा भूमि पर कराई जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। वहीं गौरा पट्टी, तारापुर रजौली के निकट एके पाण्डेय द्वारा करीब 100 बिस्वा भूमि पर विकसित की गई अवैध प्लाटिंग पर भी बुलडोजर चलाया गया ।सचिव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना ले–आउट अथवा मानचित्र स्वीकृत कराए किसी भी प्रकार का निर्माण या विकास कार्य न कराया जाए। उन्होंने कहा कि केवल प्राधिकरण से स्वीकृत ले–आउट वाली भूमि का ही क्रय–विक्रय करें। स्वीकृत ले–आउट की सूची प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

लापरवाही बरतने के चलते दो दरोगा लाइन हाजिर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या ।एएसपी अयोध्या द्वारा सर्किल बीकापुर की विवेचनाओं की समीक्षा के दौरान कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की गई है ।इस दौरान उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार (थाना हैदरगंज) एवं महिला उपनिरीक्षक सना पाल (कोतवाली बीकापुर) को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है ।साथ ही, दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ कर दी गई है तथा आगे की आवश्यक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस प्रशासन द्वारा इस कार्रवाई को अनुशासन बनाए रखने की दिशा में सख्त कदम माना जा रहा है।

मजदूर की गई जान, 3 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, जेई सस्पेंड

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर इलाके के पादरी बाजार चौराहे के पास मंगलवार रात आठ बजे के करीब निर्माणाधीन नाले में गिरने से मजदूर हंसराज यादव (68) की मौत हो गई। उसके पेट से सरिया आर–पार हो गया। बताया जा रहा है कि नाला निर्माण के दौरान सड़क किनारे बैरिकेडिंग नहीं की गई थी सिर्फ एक संकेतक पट्टी लगाई गई थी। मामले में जेई को निलंबित कर दिया गया है। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने सरिया में फंसे मजदूर को निकालकर बाहर रखा। इसके बाद पुलिस की मदद से उसे जिला अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हंसराज देवरिया जिले के रामपुर कारखाना के गौरा गांव निवासी थे। जानकारी के अनुसार, वह शाहपुर इलाके के लक्ष्मीपुर चौराहे पर चौरसिया डेयरी में पिछले चार साल से काम करते थे। वह डेयरी में ही रहते भी थे। बताया जा रहा है कि मंगलवार की शाम 5रू30 बजे के करीब सब्जी लेने के लिए निकले थे। चौराहे पर पहुंचने के बाद ब्यासनगर कॉलोनी जाने वाले रास्ते की तरफ से निर्माणाधीन नाले को क्रॉस कर रहे कि अचानक नीचे गिर गए और सरिया शरीर में धंस गया।

पलहीपुर में युवक की गोली लगने से मौत, पिस्टल व मैगजीन बरामद

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार शीवास्तव

सुल्तानपुर,नगर कोतवाली क्षेत्र के पल्हीपुर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान देवी प्रसाद उर्फ राणा के रूप में हुई है। युवक के सिर में गोली लगी थी और शव बाग में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि मृतक स्थानीय थाने का हिस्ट्रीशीटर भी रहा है। मौके से पुलिस को एक पिस्टल और मृतक की जेब से मैगजीन बरामद हुई है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात है और फोरेंसिक टीम भी जांच में जुटी हुई है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।